

न्यायालय हीमाल संलेंट जेकर ५ का लेन कोरुवरी ई ।



श्री बाबाजी मन्नार स्थापितालय पहेला इरदोई धारा १३०९/२ रजवा १-०५२०
पूर गोपीधरन निवाले रजवा पुर परमा मर्वाक लकीत रजवा १३०९/२
इरदोई _____ प्राणी

जाम

जकार _____

दिखी

प्राकार ३० धारा १३०९/२ रजवा १-०५२० से केड रेन्डू - ३

हीमाल की

प्राणी जन्तवेदन निम है-

- १- यह कि जाम पहेला परमा पंर लकीत धारा १३०९/२ रजवा १-०५२० उपरोक्त हीमाल की स्थापितालय के नाम भूमि जकरके राबतय अभिलेखी में दर्ब जन्मत इरदोई तवाज्जु काहाके नाग का देवारा श्री न्यायालय हीमाल की केडी को ज्वाडे बिक्की जन्तुम डिग देवा इत्यादि धाकतो कोडे कथा र जका इरदोई है।
- २- यकीत देवारा दे प्राणी स्थापितालय केना न्यायालय १३०९/२ रजवा १-०५२० रिक्रा गम पहेला परमा पंर लकीत धारा १३०९/२ रजवा १-०५२० मुक़े राबतय अभिलेखी में दर्ब जन्मत है।
- ३- यह कि न्यायालय १३०९/२ रजवा १-०५२० में स्थापितालय जमल को खारदीवाले बाउन्डरी घात के ज्वाडे और जका भूमि में हीमाल जर्ब जर्ब पालन कोरुवरी वागमानी आंरके तिके प्रोपेन में नही आती है इतीली लेणी १-२ जम्मात भूमि र उका भूमि न्यायालय १३०९/२ न्यायालय रजवा न्यायालय रजवा रजवा भूमि र देवा घदत काहे और उपरोक्त न्यायालय १३०९/२ रजवा १-०५२० का ज्वाडे र ज्वाडे स्थापितालय के कथाल के तिके और जका पर स्थापितालय जामल कोरुवरी तवाज्जु जन्मत होती है।
- ४- यह कि न्यायालय १३०९/२ रजवा १-०५२० का प्रोपेन ज्वाडे जर्ब के तिके नही होता है कीक उत पर विगत जमल उका है इतीली धारा १३०९/२ रजवा न्यायालय जमल कोरुवरी तवाज्जु जन्मत होती है तमत प्राणवापन धारावावाका खारदीवाले इतीली ज्वाडे

Handwritten notes and signatures on the left margin:
 २३०
 राबतियुवालय
 २५/११/१२

२५/११/१२